एकला मत छोड़ जो बंजारा रे भजन लिरिक्स

एकला मत छोड़ जो बंजारा रे,
परदेस का है मामला,
खोटा हो जाना रे,
दूर देश का है मामला,
खोटा हो जाना रे।bd।

देखे – गठड़ी छोड़ चला बिणजारा।

अपना सायब जी ने,
बंगला बनाया रे,
बंगला बनाया बंजारा,
ऊपर रखियो झरोखा,
जामे झांक्या करो प्यारा रे,
एकला मत छोड़जो बंजारा रे,
परदेस का है मामला,
खोटा हो जाना रे।bd।

अपना सायब जी ने,
बाग लगाया,
बाग लगाया बंजारा रे,
फूला भरी है छाबड़ी,
पाया करो प्यारा रे,
एकला मत छोड़जो बंजारा रे,
परदेस का है मामला,
खोटा हो जाना रे।bd।

अपना सायब जी ने,
कुआँ खुदाया,
कुआँ खुदाया बंजारा रे,
गहरा भरया नीर वा,
नहाया करो प्यारा रे,
एकला मत छोड़जो बंजारा रे,
परदेस का है मामला,
खोटा हो जाना रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कहे कबीर धर्मदास से,
बंजारा रे बंजारा,
सत अमरापुर पावीया,
सौदा करो प्यारा रे,
एकला मत छोड़जो बंजारा रे,
परदेस का है मामला,
खोटा हो जाना रे।bd।

एकला मत छोड़ जो बंजारा रे,
परदेस का है मामला,
खोटा हो जाना रे,
दूर देश का है मामला,
खोटा हो जाना रे।bd।

गायक – नरेश प्रजापत।
प्रेषक – हीरा लाल खारोल।
7742821120

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com